1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी, 2000 लोगों को रोजगार मिलेगा

पीलीभीत में ब्रिटिश कंपनी 250 एकड़ में लगाएगी खमीर फैक्ट्री

हिन्दुस्तान विशेष

लखनऊ | अजित खरे

ब्रिटिश कंपनी एसोसिएटेड ब्रिटिश फूड पीएलसी (एबी मौरी) पीलीभीत में 1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी वहां पर खमीर उत्पादन का प्लांट लगाएगी। इससे पीलीभीत व आसपास के 2000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे उत्तर प्रदेश की खमीर के मामले में अन्य राज्यों पर निर्भरता कम होगी।

आज होगा पीलीभीत में सर्वे: कंपनी ने पीलीभीत ने यूपीसीडा की 250 एकड़ जमीन तलाशी है। पीलीभीत के डीएम पुलकित खरे का कहना है कि इस जमीन पर शुक्रवार को यूपीसीडा, कंपनी व जिला प्रशासन के अधिकारी सर्वे करेंगे। जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा। पीलीभीत व पास के किसानों को इस परियोजना से काफी लाभ होगा।

1000 करोड़ रुपये का निवेश कर कंपनी यहां खमीर का प्लांट लगाएगी

750 करोड़ रुपये के निवेश से चित्रकूट में खमीर का उत्पादन होगा

68 एकड़ जमीन प्लांट और मशीन लगाने के लिए आवंटित की गई

खमीर का कहां होता है उत्पादन

- भारत में प्रतिवर्ष 85 से 90 हजार टन खमीर का उत्पादन होता है।
- खमीर निर्माण की ज्यादातर महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल व आंध्र प्रदेश में है।
- यूपी में हरदोई, बुलंदशहर, नोएडा लखनऊ व सहारनपुर में खमीर निर्माण विलय यूनिट हैं।
- दुनिया में ली सैफ्रे फ्रांस, डीएसएम एनवी नीदरलैंड, लालेमंड कनाडा, आर्चर डेनियल मिडलैंड अमेरिका, एंजेल ईस्ट चीन, बायोरीजिन कनाडा व लीवर जर्मनी बड़ी कंपनियां हैं।

अगले साल शुरू होगा उत्पादन: खमीर का उपयोग खासतौर पर बेकरी उद्योग में बहुतायत से होता है। खमीर के लिए कच्चे माल के तौर पर गन्ना व गेहूं का उपयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में कंपनी की यह बड़ी निवेश परियोजना है। जमीन तय होते ही यहां प्लांट लगने का काम शुरू होगा। जर्मनी व स्पेन से खास मशीनें खमीर बनाने के लिए मंगवाई जाएंगी। उत्पादन प्रक्रिया जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर आधारित होगी। कंपनी इससे पहले चित्रकूट में 750 करोड़ रुपये के निवेश से खमीर मैन्युफैक्चरिंग परियोजना लगा रही है।

खास-खास

- उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ने वाले पीलीभीत के अमरिया के भरा पचपेड़ा इलाके में है लगेगा प्लांट
- ब्रिटेन की एबी मौरी नामक कंपनी से संबद्ध बंगलुरु की एक कंपनी ने प्रोजेक्ट के लिए जमीन मांगी
- एक स्थान पर इतनी सरकारी जमीन की अड़चन रहित उपलब्धता को देखते हुए पीलीभीत को इस प्रोजेक्ट के लिए चुना गया।
- प्रोजेक्ट स्थल के आसपास आबादी नहीं है, इसलिए एनओसी संबंधी कोई दिक्कत नहीं आएगी।
- प्रोजेक्ट जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर आधारित है, इसलिए पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं होगा।
- खमीर प्रोजेक्ट लगने से बेकरी, बीयर और चीनी उद्योगों की यीस्ट की निर्भरता खत्म होगी।